पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

राज्यपाल ने काफी टेबल बुक 'लखनऊ - द सिटी आफ हैरिटेज एण्ड कल्चर, ए वाक थ्रू हिस्ट्री' का लोकार्पण किया

लखनऊः 20 अप्रैल, 2017

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक ने आज होटल ताज में सुश्री विपुल बी0 वाष्णेय की काफी टेबल बुक 'लखनऊ - द सिटी आफ हैरिटेज एण्ड कल्चर, ए वाक थ्रू हिस्ट्री' का लोकार्पण किया। इस अवसर पर श्री अजैश जायसवाल प्रकाशक बिकास नियोगी, जनरल एल0के0 गुप्ता अध्यक्ष इंटेक, विख्यात गीतकार श्री समीर अंजान सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

राज्यपाल ने पुस्तक की सराहना करते हुये कहा कि 'पुस्तक अद्वितीय है। लखनऊ को लेकर कई पुस्तकों का प्रकाशन हुआ है। थोड़ी पीड़ा भी है कि इस पुस्तक में लगभग 170 चित्र दिखाये गये हैं परन्तु 200 वर्ष से ज्यादा पुरानी राजभवन की इमारत का एक भी चित्र नहीं है। जब पुस्तक का द्वितीय संस्करण प्रकाशित होगा तो उसमें राजभवन का चित्र भी डाले, आखिर राजभवन, राजभवन है।'

श्री नाईक ने कहा कि भारत विरासत का देश है तथा उत्तर प्रदेश जहाँ हजारों साल की परम्परा में कला, साहित्य, नृत्य सहित अनेक जीवंत परम्परायें देखने को मिलती हैं, अद्भुत है। आज के नये निर्माण में कुछ समय बाद शिकायतें आ सकती हैं परन्तु पूर्व में जब तकनीक इतनी विकसित नहीं थी तब ऐसी इमारतों का बनना आश्चर्य की बात है। उन्होंने कहा कि लखनऊवासी यदि उन्हें ज्ञापन देंगे कि वे लखनऊ नगरी को कैसा बनाना चाहते हैं तो वे मुख्यमंत्री से अवश्य इस पर चर्चा करेंगे तथा प्रयास करेंगे कि लखनऊ कला की राजधानी रहे।

राज्यपाल ने कहा कि लखनऊ की अपनी तहजीब, सलाम करने की विशेषता आदि पूरे विश्व में चर्चा का विषय रही है। लखनऊ का विकास हुआ है वर्तमान लखनऊ में दिव्यांगजनों, संगीत प्रेमियों तथा विधि की शिक्षा ग्रहण करने वालों के लिये अलग से विश्वविद्यालय स्थापित हैं तथा दूसरी ओर अनेक सरकारी व गैर सरकारी विशिष्ट चिकित्सीय संस्थान हैं। वर्तमान लखनऊ और विरासत का लखनऊ मिलाकर पर्यटन की महानगरी बन सकता है। उन्होंने कहा कि वे संरक्षित और असंरक्षित ऐतिहासिक इमारतों पर भी मुख्यमंत्री से चर्चा करेंगे।

कार्यक्रम में जनरल एल0के0 गुप्ता ने कहा कि संरक्षित और असंरक्षित ऐतिहासिक धरोहरों को कानून के अंतर्गत संरक्षण मिलना चाहिये। उन्होंने कहा कि ऐसी विरासतों को अतिक्रमण से बचाने के लिये सरकार के साथ-साथ सभ्य समाज भी आगे आये।

काफी टेबल पुस्तक की लेखिका विपुल बी0 वाष्णेय ने भी पुस्तक पर अपने विचार रखते हुये लखनऊ की विरासत पर संक्षिप्त विवरण भी दिया।

अंजुम/ललित/राजभवन (147/26)

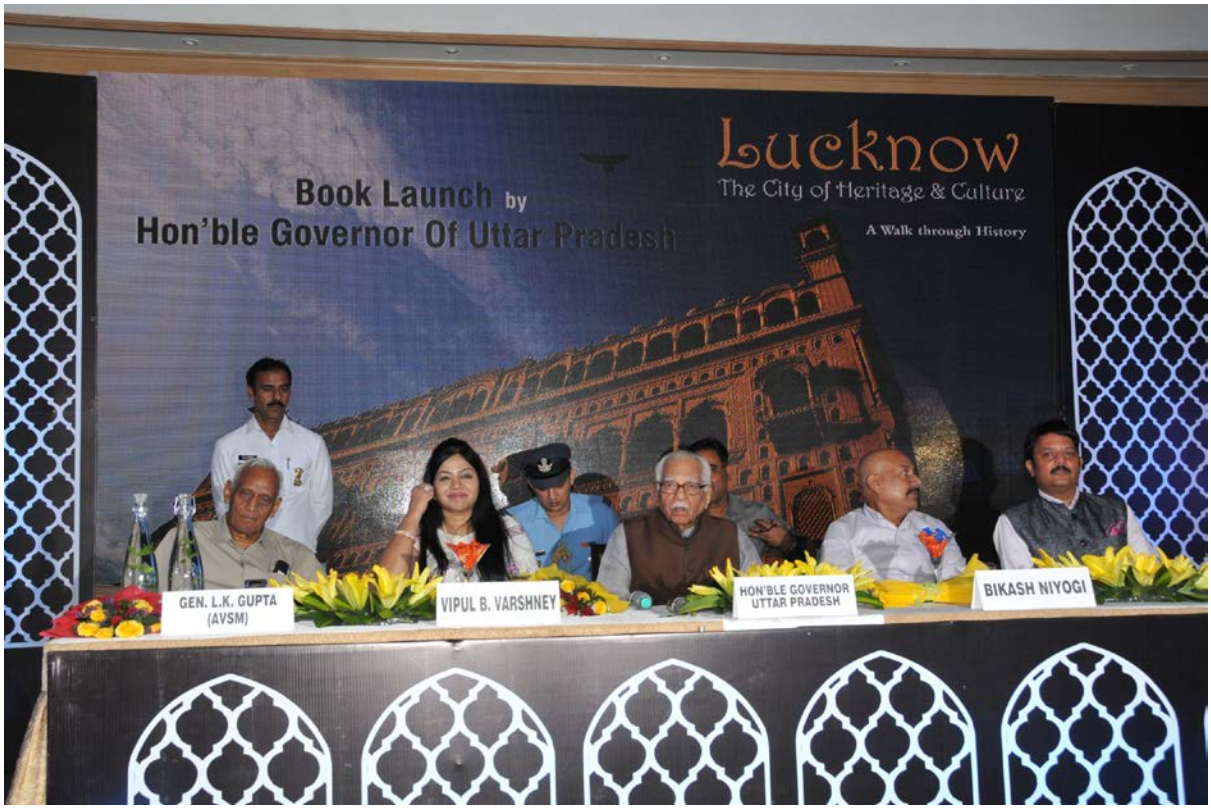
Book Launch by
Hon'ble Governor Of Uttar Pradesh
Lucknow
The City of Heritage & Culture
A Walk through History
GEN. L.K. GUPTA (AVSM)
VIPUL B. VARSHNEY
HON'BLE GOVERNOR UTTAR PRADESH
BIKASH NIYOGI

VIPUL B. VARSHNEY
HON'BLE GOVERNOR UTTAR PRADESH
BIKASH NIYOGI

GEN. L.K. GUPTA
(AVSM)
VIPUL B. VARSHNEY
HON'BLE GOVERNOR
UTTAR PRADESH
BIKASH NIYOGI